ABHAR MAHILA SAMITI

Yearly Report 2013

3/31/2013

Jawhar Road Bhumane Chhep Walo ki Pass
Chhatarpur (M.P.)471001
Ph.no 07682-242315
E-Mail:Pradeep_abhar@yahoo.co.in
Abharmahila23@gmial.com

Legal Information about the organization

1	Registration No.	SC/4094 dated 18th July 2003
2	Area of working	All India urban, rural, tribal and others With a focus on Madhya Pradesh
3	FCRA No	0631180014
4	Planning Commission NGO Portal Unique ID	No.MP/2009/0014319
5	PAN No.	AABTA6299E
6	TAN NO.	BPLA04984A
7	12 A.	05/15
8	80G	5/16
8	Name of the Bank	State Bank of India, ADB Branch CHHATARPUR (M.P.)
9	Address	Jawahar Road, Chhatarpur-471001 Madhya Pradesh (India)
10	E-mail	abharmahila23@gmail.com pradeep_abhar@yahoo.co.in
11	Contact	# 91-7682-242315, # 91-9424344088

आभार एक नजर

आभार महिला समिति छतरपुर एक स्वंय सेवी संस्था है। जो जिले में विगत पिछले 14 वर्ष से समाज विकास व जनकल्याण के लिए प्रयास रत है। संस्था का उदय वर्ष 2003 में समाजिक कार्यकर्ता श्रीमति आशा देवी खरे ने ग्राम बिलेहरी जिला छतरपुर से की। उन्होने महिला हिंसा के विरुध /शिक्षा /स्वास्थ्य / बाल अधिकार /आजिविका/ जैसे मुद्धो पर कार्य करना प्रारम्भ किया। आभार महिला समिति छतरपुर जिसका कार्य क्षेत्र सम्पर्ण भारत है।

संस्था का उद्धेश्य समाज के ऐसे वर्ग के लिए कार्य करना है जो आज समाज की मुख्य धारा से वचित है या जिन्हे शासन की जनकल्याण कारियोजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सगंठित कर कार्य करना ताकी वह आत्मनिर्भर होकर अपने अधिकारो की मागं स्व्यं करने लगे तथा समाज में आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

संस्था मुख्य रुप से कासा भोपाल के सहयोग से वर्ष 2009 से महिला सशक्तिकरण आजिविका जैसे मुद्धदो को लेकर कार्य करना प्रारम्भ किया और आज ग्राम स्तर पर महिलाऐ स्वंय का रोजगार कर अपने व अपने परिवार का सहारा वन कर ग्राम विकास मे अहम भुमिका तय कर रही है।

कार्यक्रम के अनुसार समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने को लेकर जेन्डर विषय पर कार्य किया जा रहा है वही ग्राम की वास्तविक स्थिति को जानने के साथ शासन की जन कल्याण कारी योजना की लोगो तक पहुच व अन्य स्थिति पर सर्वे कार्य तथा आजिवका जैसे विषय को लेकर कार्य किया जा रहा है।

जिसमें ग्राम स्तर पर समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने का प्रयास किया जा रहा वही ग्राम स्तर पर लोगो को ग्राम में ही रोजगार उपल्बध हो सके व लोगो को ग्राम ही रोजगार मिल सके ऐसा प्रयास संस्था द्धारा किया जा रहा है।

इस प्रकाशन का उद्धेश्य यह है कि संस्था द्धारा किये गये विकास कार्य के वारे में लोग जाने साथ ही इस कार्य में हमारे ग्रामीण समुदाय से के जुडे लोग जिसमें किसान भाई बहिन युवा साथी व सहयोगी सदस्य जब अपने वारे में लिखी गई वातो को जानेगे तथा उनके छायाचित्र लोगो देखेगे तथा जिला ब्लाक ग्राम स्तर पर इनकी चर्चा होगी तो उनको एक आत्म खुशी मिलगी साथ ही प्रशासनिक अधिकरी उनके वारे में जानेगे तो उनके साथ अन्य ग्रामीण लोगो को भी प्रोत्साहन मिलेगा शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ से उनका और अधिक जुडाव हो सकेगा। वह दुसरो के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत बन सकेगे।

माननीय मुख्यमंत्री मध्यपदेश शासन श्री शिवराज सिह चोहान द्धारा जिले में उत्ष्कुट कार्य करने के लिए संस्था को वर्ष 2012-13 के लिए किया गया पुरुस्कृत ।

अध्यक्ष
प्रभाति प्रदीप खरे
आभार महिला समिति छतरपुर
जिला छतरपुर (म.प्र.)

ABHAR

नामंकुर योजना-जिला सम्मेलन

नामंकुर योजना के अर्न्तगत संस्था द्धारा 10 ग्रामों में समाज विकास कार्यक्रमो का संचालन किया गया जिसमें आओ वनाये अपना मध्यपदेश के तहत लोगेा को जागरुक करने का प्रयास किया गया और ग्राम स्तर पर भिन्न प्रकार की गतिविधियो का आयोजन किया गया जिसमें स्वास्थ्य शिक्षा जल सरंक्षण कृषी को लाभ का धन्धा कैसे वनाये तथा समस्त ग्राम के लोग सीएलएफ का उपयोग करे पर जोर दिया गया साथ ही ग्राम के ऐसे बच्चे जो स्कुल छोड चुके है या पलायन होने के कारण स्कुल नही जातें ऐसे बच्चेा को चिहिन्त कर शाला मे प्रवेश दिलाना ग्राम के पात्र व्यक्तियो को शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ का लाभ मिल सके ऐसा प्रयास इस योजना के अर्न्तगत किया गया। ग्राम स्तर पर गठित प्रस्फुटन समितियो को सशक्त कर ग्राम विकास की योजना तैयार करना व ग्राम की प्राकृतिक धरोहर के सरक्षण के लिए प्रयास करना व उनकी देख भाल की व्यवस्था की गई और आज इस योजना से 230 लोग जुड कर कार्य कर रहे है।

किशोरी मिटिगं सशक्तिकरण कार्यक्रम

संस्था द्धारा किये जा रहे प्रयास के अर्न्तगत १५ ग्रामो की स्थिति को देख कर तय किया गया कि ग्राम की किशोरी बालिकेाओ के विकास के लिउ कार्य किया जाये और उनकी परिवार मे ठीक से देख भाल हो वह सशक्त होकर परिवार के लिए कुछ सहयोग कर सके तथा अपनी छोटी छोटी आवश्यकतओ को पुरा करने के लिए उनको किसी दुसरे की सहायता न लेना पडे इसके लिए ग्राम स्तर पर निरंन्तर बैठको का आयोजन किया गया और प्रत्तेयक ग्राम स्तर पर किशेरी सगंठन व किशोरी समूह का निर्माण किया गया जिसमे आज २७५ किशोरी बालिका शामिल हो चुकी है और वह नियमित अपनी मासिक बचत कर के अपना व परिवार का सहयोग कर रही है साथ ही समय -समय पर बालिकाओ को स्वरोजगार प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है जिसमें बालिकाऐ सिलाई कढाई लिफाफा निर्माण अगरवती निर्माण जैसे कार्य कर रही है। साथ ही समय समय पर हाने वाले शारीरिक व मानिसक बदलाव तथा जेन्डर किशेारी स्वास्थ्य शिक्षा जैसे कार्यक्रम के माध्यम से उनका परिचय कराया जाता है जिसमे आने वाले समय पर वह एक सशक्त महिला व सशक्त समाज का निर्माण कर सके।

ABHAR

बेटी बचाओ कार्यक्रम

देश व जिला स्तर पर आये दिन कम हो रही बेटियो की सख्या व बढती महिला हिसां को देखते हुय संस्था द्धारा जिले में बेटी बचाओ अभियान की शुरुआत की गई जिसमे जिले की विधायक श्रीमति ललिता यादव ने हरी झडी दिखा कर यात्रा की शुरुआत की गई ।जिसमे जिले के दो ब्लाक के 30 ग्रामों मे यह यात्रा निकाली गई। जिसमे ग्राम के लगभग 7500 लोगो को यह संदेश देने का प्रयास किया गया की बेटीओ को समान अधिकार व समान शिक्षा मिले ऐसे ऐसे प्रयास किया गया था। साथ ही स्कुला कालेज मे निबंध प्रतियोगिता तथा चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तथा प्रतियोगिता मे बालिकाओ को पुरुस्कार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में नौगाव/छतरपुर की सेकडो किशोरी बालिकाओ ने सहभागिता की।

विकंलाग स्वरोजगार कार्यक्रम

संस्था द्धारा संचालित स्वरोजगार योजना के अर्न्तगत 15 ग्रामों के 72 ग्रामीण विकंलाग बालक बालिकाओ को स्वरोजगार प्रशिक्षण दिलाया गया जिसमे मोटर बाडिगं /कम्प्युयटर /लिफाफा/अगरवती निर्माण विषय पर प्रशिक्षण दिला कर लोगो को स्वरोजागर उपल्बंध कराया गया।

जेन्डर कार्यशाला

समाज मे महिलाओ को पुरुषो के समान बराबरी का हक मिल सके तथा वह अपने अधिकार जान पाये इस उद्धेश्य द्धारा ग्राम मे गंठित ग्रामीण जन के अनेक व जागरुकता बैठको का गया जिसमे सामाजिक तथा जेन्डर किसे कहते की समझ विकसित किया गया जिसमें 17 महिलाओ को प्रशिक्षण महिलाओ पर हो रही

को लेकर संस्था महिला समुह व स्तर पर कार्यशाला आयोजन किया लिग भेद क्या है है को लेकर लोगो करने का प्रयास ग्रामो की 275 दिया गया । वही हिंसा के विरुध महिलाओ को जागरुक किया गया तथा घर परिवार मे लडका लडकी को बराबर का दर्जा मिले इसको लेकर जानकारी दी गई। साथ ही ग्राम स्तर पर महिला प्रतिनिधी नियुक्त किया गया व एक टीम का गठन किया गया की अगर किसी महिला पर किसी भी प्रकार की हिसा होती है तो उसको किस तरह से हल किया जा सकता है ।व घरेलू हिसा अधिनियम 2005 क्या है इसके अर्न्तगत क्या क्या प्रावधान है। जैसे विषय पर संघन

ABHAR

रुप से कार्य किया गया और आज ग्रामीण महिलाऐ अपने अधिकार के बारे मे जान सकी है तथा महिलाओ पर हो रही हिसां के विरुध लोगो पर प्रकरण दर्ज किये जा रहे है।

स्वास्थ्य शिविर

जिले में अगर स्वास्थ्य सुविधाओ की बात करे तो जो स्थिति निकल कर सामने आती है वही काफी देयनीय है जहा पर बच्चे कुपोषित है बच्चो का नियमित टीकाकरण नही हो रहा वही महिलाओ मे खुन की कमी है ग्रामीण महिलाऐ लिकेरिया जैसी बिमारी से ग्रस्त है तो दुसरी ओर गर्भवती माताओ का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता न ही टीकाकरण हो रहा तो किशोरी बालिकाओ न ही स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। ग्राम की एएन. एम नही आती बुर्जाको का ईलाज नही हो रहा कई लोग ऐसे है जो स्वास्थ्य सुविधाओ के अभाव मे दम तोड चुकी है।

ऐसी स्थिति को देख कर संस्था द्धारा ग्रामों में शासकीय स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 43 स्वास्थ्य शिविरो का आयोंजन किया गया तथा मुफ्त मे दवा वितरण की गई व लोगो का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण किया गया और गम्भीर लोगो को जिला या जिले के बाहर उपचार कराने की सलाह दी गई।

जैविक कृषी जागरुकता कार्यक्रम

जिले में जैविक कुषी को बढावा देने के प्रयास से ग्राम स्तर पर कुषी मेला का आयोजन किया गया जिसमें लोगो को जैविक कुषी के बारे मे बताया गया और लोगो को जैविक खादय की आवश्यकता और उसके महत्व पर जानकारी दी गई। जैविक कुषी को बढावा मिले इसके लिए कुषी विभाग के सहयोग से लोगो को एक्सपोजर कराया गया जिसमें 35 किसानो ने सात दिवस तक जैविक कृषी के बारे मे जाना व उसकी बारिकीयो को देखा और आज कई किसान इसका प्रयोग अपने स्तर पर कर रहे है।

क्षय रोग जागरुकता अभियान

इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम स्तर पर लोगो को टीबी. की बिमारी के बारे मे बताया गया तथा जो लोग पहले से इस बिमारी से ग्रस्त है उनका नियमित परिक्षण कराने का प्रयास किया गया और स्लाईड तैयार कराई गई वही बिमारी से ग्रस्त व्यक्ति को नियमितद वा लेने के साथ दवा दिलाई गई और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उन सभी व्यक्तीयो का वगंलम ले कर परिक्षण कराया गया व जानकारी दी गई `की किस तरह से यह बिमारी व्यक्ति को परेशान करती है और यह बिमारी परिवार मे अगर किसी को हो गई तो परिवार के दुसरे व्यक्ति को होने की पुरी सम्भावना वनी रहती है। और अगर व्यक्ति ने बिमारी के दोरान दवा खाना छोड दिया या रुक रुक कर दवा ली तो यह बिमारी और घातक हो ताजी है और एक वार यह बिमारी रजस्टेंश मेब इल गई तो व्यक्ति का बचाना मुशिकल हो जाता है और इसके ईलाज का खर्च काफी गुगिा है। इस तरह से इस बिमारी के प्रति

लोगो को जागरुक किया गया और परिक्षण करा कर लोगो को बिमारी से मुक्त कराने का प्रयास किया गया।

बास मेला कार्यक्रम

संस्था द्वारा स्वाच्छयता पर ध्यान देने का प्रयास किया गया जिसके तहत बास मेला का आयोजन किया गया जिसमें 370 बच्चो ने सहभागिता की कार्यक्रम मे खजुराहो के सी. एमओ अरुण पटेरिया/ प्रार्चाय श्री खान साहव/ नगर पालिका अध्यक्ष श्री पटेल जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कार्यक्रम की सराहयना करते हुये नगर को स्चच्छय करने के इस प्रयास को अनुठा वताया । कार्यक्रम को उद्धेश्य घर घर यह संदेश देने का प्रयास किया गया की अगर हर घर में होगा शोचालय और शुद्ध पानी का करेगे उपयोग तो नही होगा कोई बिमार और नगर होगा सुक्छ व साफ पार्यावरण नही होगा दुषित तथा हमारी घर की बहु बेटियो को नही होना पडेगा परेशन न शरमिन्दा और इस तरह से कोशिस की गई की शासन कको आवंटित बजट को इस कार्य मे उपयोग हो सके तथा लोग आगे आकर शोचालय वनवाने के लिए जागरुक हो तथा शहर में हो रही गंदीग से मुक्त कराया जाये ऐसे प्रयास संस्था द्वारा किया गया।

जल सरक्षण कार्यक्रम

कासा भोपाल के सहयोग से ग्राम स्तर पर जल सरक्षण को लेकर कार्य किया गया जिसमें ग्राम स्तर पर प्राकृतिक जल स्त्रोतो का रख रखाव तथा उनका गहरी करण व पानी को रोकने के लिए बोरी बंधान तथा तालाब की साफ सफाई कुआ का गहरी करण हेड पम्प की मरम्मत सोखता गडा जैसे कार्य के माध्यम से ग्राम स्तर पर जल सरेक्षण के लिए प्रयास किया गया। जिसका आज कई ग्राम के लोगो को लाभ मिल रहा है। और पानी का दुरउपयोग को कम किया जाने का प्रयास जारी है।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

महिलाओ को उनका हक मिले वह अपने अधिकार जान सके तथा अपने परिवार के लिए सामाजिक वा आर्थिक रुप सहयोग कर सके व आर्थिक रुप से वह मजबुत वन सके इसके लिए ग्राम स्तर पर महिला समुहो का गठन किया गया जिसमें 378 महिलाऐ जुउ कर कार्य कर ही है जो 30 से 100 रुपयें प्रति माह मासिक बचत जमा कर स्वंय का रोजगार कर रही है या अपनी बचत करके परिवार बच्चो को सहयोग प्रदन कर रही है।

ARIAL

युवा रोजगार प्रशिक्षण

ग्रामीण स्तर पर कार्य करने के दोरना पाया गया की ग्राम स्तर से लगातार युवा गर्व ग्राम से शाहर की ओर पलायन कर रहे है।क्योकि ग्राम स्तर पर किसी को रोजगार नही मिल रहा तथा शासन द्वारा जिनको रोजगार दिया जा रहा है वह पर्याप्त नही है साथ ही उसका समय पर पैसा नही मिलता व जरुरत मंद को काम नही है ऐसी स्थिति को ध्यान मे रख कर संस्था द्वारा युवा रोजगार प्रशिक्षण का आयोंजन किया गया और जिसमें 117 किशोरी बालिकाओ और युवा वर्ग के लिए प्रशिक्षण दिया गया जिसमें कप्युटर मोटर बाईडिग सिलाई के साथ अन्य प्रशिक्षण दिलाये गये और उद्योग विभाग के कार्यक्रम समन्वयक श्री अनुराग खरे के माध्यम से बैक ऋण और प्रकिया के वारे मे वताया गया साथ ही प्रशिक्षण केन्द्र नोगॉव से भी प्रशिक्षण लेकर आज कई युवा वर्ग स्वंय का व्यवसाय कर रहे है।

मेंड बंधान कार्यक्रम

आजिकवा परियोजना के माध्यम से ऐसे किसान जिनके पास खेत तो है पर उसमे पानी भर जाता है या फसल को नुक्सान हो रहा है ऐसे एक से दएकड वाले किसानो का चयन कर के संस्था द्वारा मेड बंधान का कार्य किया गया जिसमें 15 किसानो को आज तक जोडा जा चुका है।

अनाज/बीज बैक

ग्राम स्तर पर देखने मे आता है की कई ऐसे परिवार है जिनके पास खाने को अनाज नही है या खेती के लिए वोने के लिए वीज नही है। ऐसे परिवारो को समय पर व वीना पैसा के ग्राम स्तर पर ही बीज/अनाज मिल सके इसके लिए 15 ग्रामों में 15 अनाज/बीज बैक को गठन किया गया जिसमें 75 महिलाऐ मिल कर कार्य कर ही आज की स्तिति में इन बैको के पास 10 कुन्टल 35 किलो अनाज जमा किया गया है । इस योजना से जुउ कर आज कई परिवार किसान लाभ ले रहे है।

किचिन गार्डन कार्यक्रम

संस्था द्वारा आजिविका को ध्यान रखते हुये ग्राम स्तर पर कार्य किया गया और देखा गया की ग्राम के लोगो के पास न आजिविका है नही गरीब परिवारो को पोषण युक्त भोजन मिल पा रहा है ऐसे परिवारो को चिन्हित किया गया और देखा गया किस किस किसाम के पास जगह है और पानी के छोटे से साधन है ऐसे किसानो को चयन करके जागरुक किया

गया और 174 लोगो को किचिन गार्डन से जोडा गया । जिसमे टमाटर / अदकर/ मिर्च/ गोभी / आलू / वेगन जैसी सवजी लगाकर लोगो को आजिविका देने का प्रयास किया गया वही लोगो को पोषण युक्त भोजन मिल सका।

नाडिप/बर्मी कमपोस्ट निर्माण

जैविक कृषी को बढावा देने के उद्धेश्य से ग्राम स्तर नाडिप /वर्मीक्पोट निर्माण कराये गये ताकी लोग जा सके की नाडिप क्या है इसका उपयोग कैसे करते है तथा इसकी खादृय का कितनी उपयोगी है इसको लेकर ग्राम स्तर पर निामर्ण कार्य किया गया वही वर्मीकम्पोट निर्माण कराये गये ताकी ग्राम के किसान केचुया खादृय के वारे मे जाने तथा उसका उपयोग अपनी खेती के लिए कर सके । साथ ही संस्था द्धारा इसके वाद कृषी विभाग के सहयोग से ग्रामीण किसानो के आवेदन लगाये ताकी वही नाडिप /वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कराये और जैविक कृषी को प्राथमिकता के साथ अपनाये इसी को ध्यान मे रख कर 15 नाडिप व 5 वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कराय गया।

ग्राम सभा जागरुकता कार्यक्रम

पंयायत को और अधिक बल मिले और लोग ग्राम सभा के महत्व को जान सके इसके लिए संस्था द्धारा ग्राम सभा चलो अभियान चलाया गया जिसके लिए 15 पंचायत मे ग्राम रथ निकला गया और ग्राम स्तर पर जागरुकता बैठको का आयोजन किया गया जिसमें लोगो को ग्राम सभा की आवश्यकता तथा ग्राम सभा की कार्य वाही पर जानकारी दी गई और वताया गया की यह ग्राम सभा वर्ष मे चार वार ही होती है और प्रत्येक व्यक्ति इ समे हिस्सा ले सकता है और उसको अपनी वात रखने का पुरा अधिकार है साथ ही वह ग्राम मे किये जा रहे कार्य या ग्राम विकास मे कितना पैसा आया र्खच हुआ जैसी जानकारी भी देना व लें सकता है तो सभी लोग ग्राम सभा मे जाये और अपनी वात को रखे और ग्राम विकास मे अपनी संघन भागेदारी तय करे।

मनरेगा जागरुकता/सगंठन

ग्राम के पात्र लोगो को योजना का लाभ मिल तथा पात्र व्यक्तियो को समय पर काम मिले काम के स्थान पर प्रावधान के अर्न्तगत सुविधा मिले इन वातो को ध्यान मे रख कर ग्राम स्तर पर नरेगा समुह का गठन किया गया जिसमें 15 से 20 लोगो को जोडा गया है ताकी ग्राम के काम करने वाले लोगो को किसी तरह की समस्या न हो और अगर कोई समस्या आती है तो इसको किस तरह से हल किया जाये इसके लिए इस सगंठन का गंठन किया गया और यह सगंठन ग्राम से लेकर जिला स्तर तके सक्रिय होकर कार्य केर ऐसा प्रयास किया जा रहा है वर्तमान मे सगंठन ने तय कियाहै की वह छोटी छोटी बचत कर के सगंठन की आवश्यकता को पुरा करने के लिए फड जमा किया जाये ताकी समय

ARCHIVE

आने पर किसी से पैसा न लिया जाये वही इस सगंठन को और अधिक बल मिल सकेगे इसके लिए सगंठन का पंजिनय कराया जायेगा ताकी वह कानुनी रुप से अपने कार्य को कर सके ऐसा प्रयास जारी है।

सरपंच प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत देशा मे सभी जानते है की सभी का बराबर का अधिकार मिला है वही शासन द्वारा महिला पुरुषो हर क्षेत्र मे 50 प्रतिशत आरक्षण है। पर इसका पालन हकीत मे कही दिखाई नही दे रहा हम पंचायत स्तर की बात करे तो महिला सरपंच तो बन गई पर पंचायत के बारे मे उनको कोई जानकारी नही है जिनको जानकारी है उनको कार्य नही करने दिया जाता ऐसे मे संस्था द्वारा प्रयास किया गया की महिला जन प्रतिनिधीयो की पंचायत मे संघन भागेदारी हो वह अपने अधिकार जाने तथा ग्राम विकास मे अपना सहयोग दे जिसके लिए उनको चुना गया है। ऐसे मे संस्था ने कार्य क्षेत्र की महिला जन प्रतिनिधीयो ने चर्चा विचार किया और कार्य क्षेत्र की लगभग 15 सरपंच/पंच /उपसरपंच को प्रशिक्षण मे शामिल करा कर उनको ज्ञान वर्धन करने का प्रयास किया गया और उसके फल स्वरुप महिलाओ ने अपने क्षेत्र मे अहम योग्गदान देते हुये विकास कार्य किये और आज पंचायत मे अपनी संधन भागेदारी निभा रही है।

सुचना केन्द्र का संचालन

ग्राम के लोगो को समय पर सही जानकारी मिले और लोग योजनओ का लाभ उठाये इसको ध्यान मे रख कर ग्राम बरद्धाहा मे जन सुचना केन्द्र की स्थापना की गई जिसमें शासन की तमाम योजनाओ से जुडी जानकारी जमा की गई है। और सभी प्रकार के आवेदन एकत्र है। जो पंचायत से सम्बंध है । क्योकि देखने मे आता है की ग्रामीण लोगो को योजनाओ की जानकारी या कानुनी जानकारी न होने के कारण योजना के लाभ परिवार के लोग वचित रह जाते है इसको को ध्यान मे रख कर संस्था द्वारा सुचना केन्द्र की स्थापना की गई है जो बारह घन्टे अपनी सेवाऐ लोगो को प्रदान कर रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा समय समय पर ग्रामीण विकास को ध्यान मे रख कर कार्य किया जा जिसमे ग्राम का कोई भी वर्ग छुट न पाये इसको ध्यान मे रखा गया और कोशिस की गई की वर्ग की आवश्यकता और महत्व को देखा जाये और ग्राम से कम सके कम पलायन हो लोगो को ग्राम मे ही रोजगार मिले लोग अपने परिवार का भर पोषण करे सके इसके लिए प्रत्तेक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसका लाभ ग्रामीण लोगो को मिला और आज कई परिवार के लोग एक मजबुती रुप मे काम कर रहे है।

ARHAR

जन सुनवाई

ग्रामीण जन को उनका सही हक मिल और काम का पुरा दाम मिले इसी को ध्यान मे रख कर ब्लाक व जिला स्तर पर जन सुनवाई कार्य किया गया इसके लिए पहले ग्राम स्तर पर सर्वे कार्य किया गया उसके वाद लोगो की समस्याओ को चिहिन्त किया गया और लोगो को इसके लिए तैयार किया गया की वह अपनी वात को मिडिया व जिला प्रशासन के सामने रखे ।इस तरह से जन सुनवाई का आयोजन कियागया जिसमें ग्राम के ३०० से ४०० लोगो ने अपनी समस्याओ को प्रशासन के सामने रखा और प्रशासन ने कार्यवाही करते हुये लोगो को आवसशन दिया की उनको उनका हक दिया जाये पात्र लोगो को योजनाओ से जोड कर अपात्र लोगो के विरुध कार्यवाही की जाये।

अर्न्तराष्टिय महिला दिवस

महिलाओ को उनका हक दिलाने के प्रयास से और ग्रामीण महिलाए यह जान सके की अर्न्तराष्टिय महिला दिवस क्या है उसको प्रति वर्ष क्यो मनाया जाता है इसके पीछे वहज क्या है संस्था द्धारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 15 ग्रामो की 270 महिलाओ ने सहभागिता की और संस्था प्रभाति खरे द्धारा इसके वारे मे विस्तार से वताया गया साथ ही ग्रामीण महिलाओ के साथ कुर्सी तोड गीत संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और जिन्हो अपने जीवन मे संघर्ष किया ऐसी महिलाओ को पुरुस्कार दिया गया। साथ ही ग्रामीण महिलाओ द्धारा इस खुशी के अवसर पर ७ कि०लो का केक काटा गया और अध्यक्ष द्धारा सभी महिला साथियो को वितरण कर इस खुशी का ईजहार किया गया।

खादृय सुरक्षा अभियान

गरीबो को उनका पुरा अधिकार मिल तथा श्शासन की खादृय सुरक्षा योजना का पुरा लाभ मिले इसके लिए ग्राम स्तर पर जागरुकता खादृय सुरक्षा अभियान चलाया गया जिसमें सोसायटी द्धारा गरीबो को दिये जाने वाली खादृय सामग्री को समय पर मिले तथा पुरा राशन मिले इसके लिए लोगो को जागम्क किये जाने का प्रयास किया गया तथा खादृय सुरक्षा पर वनाये गये कानून के वारे मे वताया गया साथ ही जिसमें 459 ग्रामीण जन ने सहभागिता कर अपने अधिकारो को जाना व समझा । साथ ही उनकी मागो को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और प्रशासन को उन मांगो को सोपा गया।

धन्यवाद

अध्यक्ष

एक नजर इधर भी

ABHAR